

也许我们真的不懂

1 = G $\frac{2}{4}$
 ♩ = 62

演唱：陈少华 陈瑞

陈 伟 词曲
桃李醉春风 记谱

(0 3 5 | 1̇ 2̇ 3 5 7 | 6 0 2̇ 1̇ | 3 2̇ 2̇ 7 6 | 5 0 3 5 | 1̇ . 2̇ 1̇ | 1̇ . 6 6 | 3̇ . 2̇ 1̇ | 2̇ . 6 |

5) 0 5 1 2 ||: 3 5 2 1 2 | 1 6 . 0 6 5 | 6 1 1 1 6 6 | 5 0 1 2 | 3 5 0 3 5 |
 (男)常怀念 我们最初的相逢, 一个眼神你就会脸红, 爱那么重重的

6 5 3 0 2 3 | 2 2 2 3 6 1 3 | 2 - | 0 0 5 1 2 | 3 5 5 2 1 2 | 1̇ 6 0 6 5 |
 载不动, 随你 来来回回不停翻涌。 是否真心已被岁月掏空, 每次

6 1 1 1 6 6 | 5 0 1 2 | 3 5 0 3 5 | 6 5 3 0 2 3 | 2 2 3 2 6 3 | 5 - |
 拥抱却无所适从, 爱悄悄来 转眼无影踪, 干了这杯酒各奔西东。

5) 5 0 3 5 | 1̇ 2̇ 3 5 7 | 6 0 2̇ 1̇ | 3 2̇ 6 7 6 | 5 0 3 5 | 1̇ 1̇ 1̇ 0 2̇ 1̇ |
 (女)也许 我们真的不懂, 男人不懂女人的痛, 时光如流水 爱恨

7 5 6 0 6 1̇ | 2̇ 2̇ 2̇ 3̇ 6 7 6 | 6 5 . | 0 0 3 5 | 1̇ 2̇ 3 5 7 | 6 0 2̇ 1̇ |
 太匆匆, 却 无法摆脱尘世的惶惑。 也许 我们真的不懂, 女人

3 2̇ 6 7 6 | 5 0 3 5 | 1̇ 1̇ 1̇ 1̇ 2̇ 1̇ | 7 5 6 0 6 1̇ | 2̇ 2̇ 2̇ 3̇ 2̇ 1̇ 6 |
 不懂男人的梦, 没有人知道 该何去何从, 只怪 我们相遇在错误

1. (0 . 5 | 2̇ 1̇ 5 5 2̇ . | 0 . 2̇ 2̇ 5 3̇ |
 5 0 6 | 1̇ - | 1̇ - | 1̇ 0 | 3̇ . 2̇ 3̇ | 3̇ 0 1 6 1̇ | 1̇ 2̇ 1̇ 6 1̇ 2̇ 3̇ |
 的 时 空。

4̇ 5̇ 6̇ 6̇ 1̇ . | 6̇ . 5̇ 5̇ | 5) 0 5 1 2 ||: 1̇ - | 1̇ - | 0 0 3 5 || 1̇ - | 1̇ - | 1̇ - ||
 (男)常怀念 空。 (女)也许 D.S. 空。